काणकोण, गोवा में "श्री बलराम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा बनाए गए घरों की चाबियाँ सौंपने" के अवसर पर माननीय अध्यक्ष का भाषण

श्री बलराम चैरिटेबल ट्रस्ट द्वारा समाज के गरीब और जरूरतमंद लोगों के लिए बनाए गए घरों की चाबी उन्हें सौंपे जाने के इस महत्वपूर्ण अवसर पर आप सभी के बीच उपस्थित होकर मुझे बहुत खुशी है। सबसे पहले, मैं इस अवसर पर गोवा विधान सभा के माननीय अध्यक्ष, श्री रमेश तावड़कर की भूरि-भूरि प्रशंसा करता हूं।

उन्होंने अपने निर्वाचन क्षेत्र के वंचित वर्गों को आश्रय प्रदान करने के लिए 'श्रम धाम' की अनूठी और मानवीय पहल की है। मुझे विश्वास है कि इस पहल से पूरे देश को लाभ होगा ।

साथियो, आवास मनुष्य की मूलभूत आवश्यकता है। सुरक्षा, शिक्षा, खाद्य और सामाजिक सुरक्षा जैसे अन्य मूलभूत मानवाधिकारों के अलावा सभी परिवारों को सुरक्षित और पर्याप्त आवास सुविधाएं प्रदान करने की दिशा में ध्यान देना भी ज़रूरी है।

इसी सोच के आधार पर अंतर्राष्ट्रीय मानवाधिकार कानून में सभी को आवास के अधिकार को हर व्यक्ति का अधिकार माना गया है।

सरकार उन लोगों के हितों की सुरक्षा करना चाहती है जो अपने जीवन भर की कमाई घर खरीदने के लिए लगा देते हैं। इस बात को ध्यान में रखते हुए संसद ने भू-संपदा (विनियमन और विकास) अधिनियम, 2016 अधिनियमित किया है।

इस अधिनियम का उद्देश्य घर खरीदने वालों के हितों की सुरक्षा करने के साथ रियल एस्टेट उद्योग में निवेश को बढ़ावा देना है।

साथियो, माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में सरकार का एक बड़ा एजेंडा समाज का समग्र विकास है। उनके दूरदर्शी मार्गदर्शन में, भारत सरकार ने जून, 2015 में प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) और अप्रैल 2016 में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (पीएमएवाई-जी) नामक फ़्लैगशिप कार्यक्रम शुरू किए थे।

इनका उद्देश्य कच्चे और जीर्ण-शीर्ण मकानों में रह रहे सभी पात्र लाभार्थियों को पक्के आवास प्रदान करना है जिनमें सभी प्रकार की बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध हों ।

आवासन क्षेत्र में सुधार लाने के लिए इस समय सरकार की स्मार्ट सिटीज; राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन; राष्ट्रीय विरासत शहर विकास और वृद्धि योजना (हृदय); कायाकल्प और शहरी परिवर्तन के लिए अटल मिशन (अमृत) जैसी कई अन्य फ़्लैगशिप योजनाएँ कार्यान्वयन के विभिन्न चरणों में हैं । अब हमारा लक्ष्य अलग-अलग भौगोलिक परिस्थितियों के हिसाब से आवास निर्माण करना है ।

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय जून, 2015 से 'सभी के लिए आवास' मिशन के अंतर्गत प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी (पीएमएवाई-यू) का कार्यान्वयन कर रहा है। इस योजना के तहत सभी पात्र शहरी लाभार्थियों को सभी बुनियादी सुविधाओं से युक्त ऑल-वेदर पक्के मकान उपलब्ध कराने के लिए राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के माध्यम से कार्यान्वयन एजेंसियों को केन्द्रीय सहायता प्रदान की जा रही है।

इस योजना के चार घटक हैं (i) लाभार्थी आधारित व्यक्तिगत आवास का निर्माण/ विस्तार (बीएलसी) (ii) भागीदारी में किफायती आवास (एएचपी) (iii) ऋण आधारित ब्याज सब्सिडी योजना (सीएलएसएस) और (iv) "स्व-स्थाने" स्लम पुनर्विकास (आईएसएसआर)।

मैं आप सभी को बताना चाहता हूँ कि राज्यों/संघ राज्यक्षेत्रों द्वारा प्रस्तुत परियोजना प्रस्तावों के आधार पर 13.03.2023 तक 1.20 करोड़ से अधिक घरों को मंजूरी दी गई है। इनमें से, 109.23 लाख घरों का निर्माण कार्य शुरू हो चुका है; 72.56 लाख घरों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है/या लाभार्थियों को सौंपे जा चुके हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना-शहरी पहले 31.03.2022 तक ही लागू थी, अब इसका समय 31.12.2024 तक बढ़ा दिया गया है। प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण के तहत 2 करोड़ से अधिक घरों का निर्माण कार्य पूरा हो चुका है।

देवियो और सज्जनो, मैं श्री बलराम चैरिटेबल ट्रस्ट के विजन, कार्य और उद्देश्य की सराहना करता हूँ। अपने निर्वाचन क्षेत्र के लोगों और पूरे गोवा वासियों से “हर दिन एक रुपये का दान” की आपकी यह पहल अत्यंत दूरदर्शी, व्यावहारिक, और सहानुभूतिपूर्ण है। रमेश तावड़कर जैसे नेता का होना आप सभी गोवा वासियों के लिए सौभाग्य की बात है।

मुझे यह जानकर खुशी हुई कि श्री बलराम चैरिटेबल ट्रस्ट “श्रम धाम” जैसी अभूतपूर्व पहल करने जा रहा है। पहले हमारे यहाँ “श्रम धाम” की परंपरा प्रचलित थी, जिसमें गाँव में घरों के निर्माण, उनकी मरम्मत और चावल के खेतों में काम करने जैसे कार्यों में लोग स्वेच्छा से एक दूसरे की सहायता करते थे।

वास्तव में “श्रम धाम” की अवधारणा अनोखी है। यह लोगों में एकता और भाईचारे की भावना को बढ़ाती है। मैं रमेश तावडकर जी को बधाई देता हूं कि उन्होंने जरूरतमंदों को आवास उपलब्ध कराने की हमारी पारंपरिक अवधारणा को आगे बढ़ाया है।

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई कि इस पहल को पूरे राज्य के लोगों ने खूब सराहा है। यह पहल जनप्रतिनिधियों के साथ ही समाज के सभी वर्गों के लिए अनुकरणीय है, जो क्षमता अनुसार इसमें अपना योगदान दे सकते हैं।

मुझे इस बात की अत्यंत खुशी है कि श्री तावडकर जी समाज के निचले तबके के कल्याण के लिए सराहनीय कार्य कर रहे हैं। उनकी इस पहल से माननीय प्रधानमंत्री के लोगों को उनका अपना मकान उपलब्ध कराने के प्रयास को मदद मिल रही है।

मैं उनके इस विचार की सराहना और सम्मान करता हूं कि उनके निर्वाचन क्षेत्र में कोई भी बेघर नहीं रहना चाहिए। मैं उनके इस नेक कार्य के लिए अपनी शुभकामनाएं देता हूं।